

This question paper contains 1 printed page.

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	12131101
Name of the Paper	:	Classical Sanskrit Literature (Poetry)
Name of the Course	:	B.A. (H), Sanskrit, Core, LOCF
Semester	:	I
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	75

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
-
1. "किरातार्जुनीयम्" प्रथम सर्ग के आधार पर दुर्योधन की शासन व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।
Describe the "शासन व्यवस्था" of Duryodhana on the basis of 1st canto of Kirartarjuniyam.
 2. रघुवंशी राजाओं के सामान्य गुण क्या थे। समझाइए।
What are the common traits of the kings of Raghuvansha. Explain.
 3. कुमारसम्भवम् के पञ्चम सर्ग के आधार पर पार्वती के चरित्र की विशेषताएँ बताइए।
Describe the salient features of Parvati's character on the basis of 5th canto of Kumarsambhavam.
 4. नीतिशतकम् के अनुसार मूर्खों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
Describe the characteristics of the foolish persons according to Nitishatakam.
 5. भारवि का कवि के रूप में मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate Bharvi as a poet.
 6. गीतिकाव्यों के उद्भव का उल्लेख करते हुए जयदेव और अमरुक की गीति रचनाओं पर टिप्पणी लिखिए।
Describe the origin of Gitikavyas and write a note on Jayadeva and Amaruk.

[This question paper contains 1 printed page]

Unique Paper Code	:	12131102
Name of the Paper	:	Critical Survey of Sanskrit Literature
Name of the Course	:	B.A. (Hons.), Sanskrit, Core, LOCF
Semester	:	I
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	75 Marks

Instructions for Candidates

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अंक समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.

1. ऋग्वेद की विषय-वस्तु पर निबंध लिखिए।
Write an essay on the subject matter of Rigveda.
2. रामायण के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित कीजिए।
Describe the cultural significance of Ramayana.
3. 'महाभारत एक विश्वकोश है' व्याख्या कीजिए।
'Mahabharata is an encyclopaedia' explain it.
4. पुराण में वर्णित विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।
Describe the content mentioned in the Purana.
5. व्याकरणशास्त्र के प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the purpose of Vyakaranashastra.
6. भारतीय दर्शनशास्त्र पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the Indian Philosophy.

This question paper contains 2 printed page.

Roll No. :
Unique Paper Code : 72132802
Name of the Paper : Upanishad and Gita
Name of the Course : B.A. (H), AECC, Sanskrit, LOCF
Semester : 1
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 75

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तरसंस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
-
1. ईशावास्योपनिषद् के आधार पर 'ईश्वर' का वर्णन कीजिए।
Describe Īśvara according to the Īśāvāsyopaniṣad.
 2. ईशावास्योपनिषद् की शिक्षाओं पर लेख लिखिए।
Write an essay on the teachings of Īśāvāsyopaniṣad.
 3. गीता के द्वितीय अध्याय के अनुसार आत्मा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
Describe the nature of Ātmā according to the second chapter of Gītā।
 4. गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर अर्जुन की स्थिति को अपने शब्दों में समझाइए।
Describe the situation of Arjuna in your own words on the basis of the second chapter of Gītā.
 5. गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर कर्मयोग पर एक लेख लिखिए।
Write an article on the concept of Karmayoga on the basis of the second chapter of Gītā.
 6. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार विद्या एवं अविद्या वर्णन कीजिए।
Describe Vidyā and Avidyā according to Īśāvāsyopaniṣad.